बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, अस्थल बोहर, रोहतक

तथा

हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला

के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

विषय- संत साहित्य में गुरु नानक वाणी की महत्ता

आयोजक - मानविकी संकाय, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक

समय- पूर्वाह्न 9:30 बजे, दिनांक-10 सितम्बर, 2019

स्थान- मिनी ऑडिटोरियम, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक

भारत वर्ष संतों की भूमि रही है। देश का हर क्षेत्र, हर भाग संतों की वाणी और महिमा से गूँज रहा है। साधु-संतों ने मनुष्य के निर्माण में, उसके उत्थान में, उसके परिष्कार में अद्‌भुत योगदान दिया है। कबीर, गुरु नानक, गुरु जाम्भोजी, दादू, रज्जब, रैदास आदि का नाम ऐसे ही गौरवपूर्ण संतों की परम्परा में गिना जाता है। इसी परम्परा में गुरु नानक का नाम बड़े आदर और सम्मान के साथ लिया जाता है।

सर्वप्रथम यह बताना जरूरी प्रतीत होता है कि गुरु नानक का जन्म तलवंडी नामक ग्राम में पंजाब में 550 वर्ष पूर्व 1469 ई. में हुआ था। तलवंडी को अब ननकाना के नाम से जाना जाता है। गुरु नानक जी की जन्मभूमि पंजाब थी, कहने की आवश्यकता नहीं है, कि सम्पूर्ण भारतवर्ष में ही नहीं, पूरी दुनिया में गुरु नानक की बड़ी महिमा है; क्योंकि उन्होंने अपने उपदेशों के माध्यम से सामाजिक जागरण, नारी सम्मान, राष्ट्र प्रेम, सामाजिक सदभाव, नैतिक शिक्षा का जैसा शंखनाद किया है, वह अतुलनीय है।गुरुनानक के ऐसे ही कालजयी महत्त्व के कारण पूरा देश और और पूरी दुनिया बड़े उल्लास के साथ उनका 550वां जन्मवर्ष मना रहा है। वास्तव में, यह आयोजन भी उसी बड़े उत्साह-पर्व का एक अंश है।

यहाँ पर यह कहने में संकोच नहीं है कि गुरु नानक जी महान संत-कवि हैं, उनकी वाणी की शक्ति को आज के इस समाज को समझना जरूरी है। आज जब मानवता की चादर तार-तार हो रही है, हिंसा का प्रबल प्रसार है, नशे में पूरा समाज डूबा हुआ है, वृक्षों की, प्रकृति की निर्मम हत्या की जा रही है, जाति-धर्म-प्रांत-ऊँच-नीच के नाम पर समाज को बाँटा जा रहा है, तब गुरु नानक और उनकी वाणी की चर्चा करना समाज के लिए, मानवता के लिए बहुत अपरिहार्य हो जाता है। इसी तथ्य को ध्यान में रखकर मानविकी संकाय, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, अस्थल बोहर, रोहतक और हरियाणा साहित्य अकादमी ने **'संत साहित्य में गुरु नानक वाणी की महत्ता'** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने का उपक्रम किया है। संगोष्ठी में विचारणीय उपविषय इस प्रकार होंगे-

(1) संत साहित्य की परम्परा
(2) गुरु नानक की शिष्य परम्परा
(3) संत साहित्य की सामाजिक सार्थकता
(4) गुरु नानक की सामाजिक प्रासंगिकता
(5) गुरु नानक की भाषा शैली
(6) गुरु नानक के काव्य की संगीतात्मकता
(7) गुरु नानक का संत साहित्य में महत्त्व
(8) गुरु नानक की दार्शनिक चेतना
(9) गुरु नानक की सांस्कृतिक भावना
(10) गुरु नानक की भक्ति भावना
(11) गुरु नानक की शिल्प साधना
(12) राष्ट्र निर्माण में गुरु नानक की भूमिका
(13) गुरु नानक वाणी में निरूपित मूल्य भावना
(14) गुरु नानक के साहित्य में प्रशासन व्यवस्था
(15) गुरु नानक के काव्य में श्रम की परिकल्पना
(16) गुरु नानक के काव्य में कर्म की भूमिका
(17) गुरु नानक के साहित्य में नीति/कानून
(18) गुरु नानक वाणी में भौगोलिक दृष्टिकोण
(19) गुरु नानक वाणी में स्थान निरूपण
(20) गुरु नानक वाणी में मानवाधिकार
(21) Media: Values and Social Responsibilities
(22) Guru Nanak's contributions to "Sant Sahitya" Tradition.
(23) Place of Guru Nanak in Building India as a Matter.

गुरु नानक वाणी तथा संत साहित्य से जुड़े और भी अन्य अनेक विषय-उपविषय हो सकते हैं।

विशेष - 1. अपने शोध-पत्र का विषय तथा अपना निर्धारित प्रपत्र 05-09-2019 तक अधोहस्ताक्षरी को प्रदान करें।

2. पंजीकरण शुल्क 600/- रुपये है, जो नगद लिया जायेगा।

3. प्रतिभागी अपने शोध-पत्र का विषय तथा अपना विवरण 9896101034 नम्बर पर व ई-मेल (seminargnd550@gmail.com) पर प्रदान करें।

सम्पर्क सूत्र:-

डॉ. सुभाष चन्द्र गुप्ता
संरक्षक
संस्कृत-विभाग, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय
दूरभाष नं. - 9799996399

डॉ. सुमन राठी
संगोष्ठी-संयोजक
हिन्दी-विभाग, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय
दूरभाष नं. :- 9896101034

डॉ. जगदीश आचार्य
उप-संयोजक
संस्कृत-विभाग, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय
दूरभाष नं. :- 9466402066

डॉ. आशुतोष कौशिक
आयोजन-सचिव
हिन्दी विभाग, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय
दूरभाष नं. :- 9896382696